

व्याम वि. (तत्.) एक लंबाई की माप जो दोनों हाथों को अगल-बगल पूरा फैलाने के बराबर होती है।

व्यामोह वि. (तत्.) 1. मोह, अज्ञान 2. स्नेह, ममता 3. किंकर्तव्यविमूढ़ता 4. भ्रम, भ्रान्ति 5. व्याकुलता, परेशानी।

व्यायाम वि. (तत्.) 1. कसरत, शरीर को स्वस्थ रखने के लिए शरीर के अंगों को हिलाने-डुलाने, संचालित करने की क्रिया एवं अभ्यास 2. शक्तिवर्धक शारीरिक परिश्रम।

व्यायामिक वि. (तत्.) 1. व्यायाम से संबंधित, कसरती 2. व्यायाम के परिणाम स्वरूप होने वाला।

व्यायामी वि. (तत्.) 1. व्यायाम करने वाला, कसरत करने वाला 2. परिश्रमी, मेहनती वि. जो व्यायाम से पुष्ट हुआ हो।

व्यायोग पुं. (तत्.) नाट्य. नाट्य रूपक के 10 भेदों में से एक, व्यायोग एक अंक का वीर रस प्रधान और अधिक पुरुष पात्रों वाला तथा बहुत कम स्त्री पात्रों वाला होता है, इसकी कथावस्तु विशेषकर ऐतिहासिक या पौराणिक पृष्ठभूमि पर होती थी।

व्याल पुं. (तत्.) 1. साँप, सर्प 2. दुष्ट, अपकारी 3. क्रूर, भयानक 4. खूनी हाथी 5. राजा 6. विष्णु 7. बाघ काव्य. पद्य आदि में आठ की संख्या।

व्यालाद पुं. (तत्.) सर्पों का भोजन करने वाला अर्थात् गरुड़, सर्पभोजी।

व्यालारि पुं. (तत्.) सर्प-शत्रु, गरुड़।

व्यालि स्त्री. (तत्.) व्याल का स्त्रीलिंग अर्थात् सर्पिणी, सांपिन पुं. (तत्.) रात्रि का भोजन 1. घिराव, घेरना, बाँधना 2. चक्कर लगाना, भ्रमण।

व्यावर्त पुं. (तत्.) 1. घिराव, घेरना, बाँधना 2. चक्कर लगाना, भ्रमण।

व्यावर्तक वि. (तत्.) 1. घेरने वाला 2. चक्कर लगाने वाला 2. अलग करने वाला, विभाजक 4.

पीछे लौटाने वाला 5. अंतर, भेद करने वाला, विभेदक।

व्यावर्तन पुं. (तत्.) 1. घेरना, छँकना, अलग करना 2. चक्कर लगाने की क्रिया, घूमना 3. मोड़, मार्ग का किसी दिशा में मुड़ जाना 4. साँप की कुंडली 5. परिवेष्टित करना।

व्यावर्तित वि. (तत्.) 1. लौटाया हुआ, वापस भेजा गया 2. घुमाया हुआ 3. मोड़ा हुआ 4. लपेटा हुआ, परिवेष्टित 5. परिवर्तित 6. विभेद किया हुआ, जिसके प्रति भिन्नता का भाव हो।

व्यावसायिक वि. (तत्.) 1. पेशे, व्यवसाय से संबंधित, व्यवसाय का 2. व्यवसाय करने वाला, पेशेवर।

व्यावसायिकी पुं. (तत्.) समा. व्यवसाय शास्त्र, व्यवसायों का अध्ययन।

व्यावहारिक वि. (तत्.) 1. व्यवहार संबंधी 2. कार्य से संबंधित 2. दूसरे के प्रति आचरण से संबंधित 3. दूसरे के प्रति आचारण से संबंधित 4. जिसे प्रयोग, व्यवहार में लाया जा सके 5. जो क्रियात्मक व्यवहार में लाभदायक हो, उपयोगी 6. रीति-रिवाजों के अनुसार प्रचलित 7. अच्छा व्यवहार करने वाला, व्यवहार कुशल 8. दीवानी और फौजदारी दोनों प्रकार के मुकदमों अथवा उनके अधिकार क्षेत्र से संबंध रखने वाला।

व्यावृत्त वि. (तत्.) 1. छूटा हुआ, निवृत्त 2. मना किया हुआ, वर्जित, निषेधित 3. खंडित, टूटा हुआ 4. अलग किया हुआ 5. चारों ओर से घिरा हुआ, आच्छादित 6. घुमाया हुआ।

व्यावृत्ति वि. (तत्.) 1. आवृत्ति 2. चारों ओर से घेरना 3. नेत्र आदि घुमाना 4. निषेध 5. बाधा 6. मुँह मोड़ना 7. छुटकारा, मुक्ति 8. न्याय सजातीय या विजातीय अन्य पदार्थों से भेद करने का कर्ष 9 एक प्रकार का यज्ञ 10. प्रशंसा, स्तुति, पसंद 11. अविद्यमानता।

व्यासंग वि. (तत्.) 1. अति आसक्ति 2. भक्ति, अनुराग 3. परिश्रमपूर्वक अध्ययन।